यहां के स्टूडेंट्स ब्राइट, ग्लोबल एक्सपोजर की जरूरत

सिटी रिपोर्टर. रायपुर

बायोटेक्नोलॉजी रिसर्च एंड इनोवेशन कॉन्सिल (ब्रिक) का बहुत बड़ा उद्देश्य हैं। बॉयोटेक्नोलॉजी डिपार्टमेंट के अंडर जो भी इंस्टीट्यूट हैं, सबका अलग-अलग गवर्नेंस स्ट्रक्चर था। ब्रिक के कारण सभी एक अंब्रेला में आ गए। जिससे उनका नॉलेज शेयरिंग, कोलाबरेशन, एक-दूसरे के साथ काम करना ये सब अभी शुरू हो जाएगा। कोविड वैक्सीन को फंड देने, रेगुलेटरी अप्रूवल देने, रॉ मेटेरियल में काफी काम किया। कई सारी ऐसी ऑपर्चुनिटी एग्रीकल्चरल बायोटेक्नोलॉजी में है। हेल्थ में तो हैं ही, इन्वायरमेंट में कई नए टेक चाहिए। सभी में बायोटेक्नोलॉजी डिपार्टमेंट इंडस्ट्री को कैसे टेक्नोलॉजिकल सपोर्ट कर सकता है इसपर विचार कर रहा है। डिपार्टमेंट स्टार्टअप को हर स्टेज में फंडिंग के लिए सपोर्ट कर रहा है। ये बात कहीं बायोटेक्नोलॉजी रिसर्च एंड इनोवेशन कॉन्सिल (ब्रिक) के मेंबर और बीजेपी के फॉरेन अफेयर डिपार्टमेंट के इंचार्ज डॉ विजय चौथाईवाले ने।

आईआईएम में आयोजित ज्ञान वर्षा कार्यक्रम में वे सेशन लेने पहुंचे। इस दौरान खास बातचीत में उन्होंने कहा कि अभी ग्लोबलाइजेशन का समय है। हमें ये सोचना चाहिए कि भारत में कौन-सी रैंक हैं तो अलग बात है। दुनिया में हमारा स्थान क्या है। उसके लिए सभी आईआईएम्स में तैयारी करनी चाहिए। अभी वर्ल्ड रैंकिंग में टॉप 100 में 3-4 आईआईएम्स ही होंगे। जितने ज्यादा इंडियन इंस्टीट्यूट आएंगे। उतने ज्यादा इंटरनेशनल कोलाबरेशन, इंटरनेशनल स्टूडेंट्स एक्सचेंज बढ़ेगा। इसलिए इस दिशा में प्रयास करना चाहिए।

सवालः इंस्टीट्यूट में फॉरेन एक्सचेंज प्रोग्राम होना कितना महत्वपूर्ण है?

जवाबः यहां के स्टूडेंट्स बाहर जाकर पढ़ाई करें ऐसा होता है। बहुत सारे इंस्टीट्यूट को आज किसी भी फॉरेन यूनिवर्सिटी या इंस्टीट्यूट से कोलोबरेट करके स्टूडेंट्स एक्सचेंज होता है। यह बहुत अच्छा है। देखिए यहां के स्टूडेंट्स बहुत ब्राइट हैं। आपको पता है आईआईटी-आईआईएम में एडमिशन लेना एक लाख में 100 लोगों को मिलती है। इतना कॉम्पिटीशन तो बाहर भी नहीं है। यहां के स्टूडेंट्स की कॉम्पिटीटिवनेश किसी भी देश के स्टूडेंट्स से कम नहीं है। एक्चुअली ज्यादा हे। लेकिन स्टूडेंट्स को ग्लोबल एक्सपोजर चाहिए, जो एक्सपोजर स्टूडेंट्स को बाहर जाने से मिलेगा।

सवालः कई इंटरनेशनल कंपनियां देश में इन्वेस्ट नहीं कर रहीं?

जवाबः इन्वेस्टमेंट के लिए सरकार ने पॉलिसी में चेंज किए हैं। फॉरेन इन्वेस्टमेंट आने से यहां के उद्योग को फायदा होने वाला है या खत्म होने वाला है, ये विचार करना होता है। सबको बैलेंस करना पड़ता है। खुले दरवाजे छोड़ दिए तो कोई भी आएगा। यहां के उद्योग संकट में आ जाएंगे।

हमसे करें संपर्क | आपके पास किसी इवेंट की जानकारी है या फिर आपने क्लिक की है कोई शानदार तस्वीर, तो आप हमें नंबर 9981064940 पर भेज सकते हैं।

Dainik Bhaskar, 03 Jan, 2025, P.04.